Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2026, E-Journal, Vol. I, Issue LIV (54), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

स्मार्ट सिटी मिशन का स्थानीय आर्थिक विकास पर प्रभाव: उज्जैन शहर के विशेष संदर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

आभा चौरसिया*

* शोधार्थी, मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन (म.प्र.) भारत

शोध सारांश – भारत में तीव्र शहरीकरण के परिणामस्वरूप शहरों के समक्ष आधारभूत अवसंरचना, परिवहन, पर्यावरण, सार्वजनिक सेवाओं तथा आर्थिक विकास से संबंधित अनेक चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं। इन चुनौतियों के समाधान हेतु भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में स्मार्ट सिटी मिशन का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य शहरों को प्रौद्योगिकी-सक्षम, नागरिक-केंद्रित, समावेशी एवं सतत विकास के मॉडल के रूप में विकसित करना है। मध्यप्रदेश का प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगर उज्जैन भी इस मिशन के अंतर्गत चयनित शहरों में शामिल है, जहाँ महाकाल लोक परियोजना, स्मार्ट सड़कें, एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर, सार्वजनिक सुविधाओं के उन्नयन, डिजिटल सेवाओं के विस्तार तथा शहरी आधारभूत संरचना के विकास जैसे अनेक कार्य संपादित किए गए हैं। इन पहलों ने न केवल शहर के भौतिक स्वरूप में परिवर्तन किया है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन, व्यापार, सेवा क्षेत्र तथा रोजगार सृजन पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य उज्जैन स्मार्ट सिटी मिशन के आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करना है। अध्ययन में द्वितीयक स्रोतों के साथ-साथ उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना से संबंधित उपलब्ध प्राथमिक आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है। शोध का मुख्य फोकस स्थानीय व्यापार, पर्यटन, निवेश, रोजगार, आय सृजन तथा शहरी आर्थिक गतिविधियों में आए परिवर्तनों का मूल्यांकन करना है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत विकसित अवसंरचना एवं डिजिटल सेवाओं ने धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित किया, जिसके परिणामस्वरूप होटल, परिवहन, खुदरा व्यापार, लघु उद्यम तथा सेवा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हुआ। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार, निवेश के अनुकूल वातावरण तथा बेहतर शहरी प्रबंधन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान की है। यद्यपि स्मार्ट सिटी मिशन ने उज्जैन के आर्थिक विकास में सकारात्मक योगदान दिया है, तथापि दीर्घकालिक एवं समावेशी आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय उद्यमिता, कौशल विकास, हरित अवसंरचना, नागरिक सहभागिता तथा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को अधिक प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि यदि स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को स्थानीय आवश्यकताओं, सांस्कृतिक विरासत तथा सतत विकास के सिद्धांतों के अनुरूप क्रियान्वित किया जाए, तो वे शहरी आर्थिक विकास के प्रभावी मॉडल के रूप में स्थापित हो सकती हैं।

शब्द कुंजी – स्मार्ट सिटी मिशन, उज्जैन, आर्थिक विकास, शहरी अर्थव्यवस्था, धार्मिक पर्यटन, रोजगार सृजन, आधारभूत अवसंरचना, सतत विकास।

प्रस्तावना – वर्तमान समय में तीव्र शहरीकरण विश्व के अधिकांश देशों के लिए आर्थिक विकास, आधारभूत अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण तथा नागरिक सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण चुनौती बनकर उभरा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार वर्ष 2050 तक विश्व की लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी, जिसके परिणामस्वरूप शहरों में आवास, परिवहन, ऊर्जा, जलापूर्ति, स्वच्छता तथा सार्वजनिक सेवाओं की मांग में निरंतर वृद्धि होगी (संयुक्त राष्ट्र, 2018)। ऐसी परिस्थितियों में पारंपरिक शहरी विकास मॉडल पर्याप्त सिद्ध नहीं हो रहे हैं। इसलिए आधुनिक तकनीक, सुशासन, नागरिक सहभागिता तथा सतत विकास के सिद्धांतों पर आधारित 'स्मार्ट सिटी' की अवधारणा वैश्विक स्तर पर एक प्रभावी समाधान के रूप में विकसित हुई है (वॉशबर्न एवं अन्य, 2010)।स्मार्ट सिटी की अवधारणा केवल सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य शहरों को आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक सक्षम, प्रतिस्पर्धी तथा नागरिक-केंद्रित बनाना है। स्मार्ट सिटी में स्मार्ट शासन, स्मार्ट अर्थव्यवस्था, स्मार्ट परिवहन, स्मार्ट पर्यावरण, स्मार्ट नागरिक तथा स्मार्ट जीवन स्तर जैसे आयामों का समन्वित विकास किया जाता है (गिर्फिंगर एवं अन्य, 2007)। काराग्लियू, डेल बो एवं निकैम्प (2011) के अनुसार स्मार्ट शहर वे हैं, जो मानव पूंजी, सामाजिक पूंजी, तकनीकी नवाचार तथा सहभागी शासन के माध्यम से सतत आर्थिक विकास एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करते हैं।

भारत विश्व के सर्वाधिक तीव्र गति से शहरीकरण करने वाले देशों में से एक है। बढ़ती शहरी आबादी के कारण महानगरों तथा मध्यम आकार के शहरों में आधारभूत सुविधाओं पर दबाव, यातायात जाम, प्रदूषण, जल संकट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा रोजगार जैसी समस्याएँ निरंतर बढ़ रही हैं। इन चुनौतियों के समाधान हेतु भारत सरकार ने वर्ष 2015 मेंस्मार्ट सिटी मिशनप्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य चयनित शहरों को आधुनिक, समावेशी, टिकाऊ तथा आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। इस मिशन के अंतर्गत क्षेत्र आधारित विकास (Area Based Development) तथा पैन-सिटी समाधान (Pan City Solution) के माध्यम से आधारभूत संरचना,

डिजिटल प्रशासन, सार्वजनिक सेवाओं, परिवहन व्यवस्था तथा नागरिक सुविधाओं में सुधार किया जा रहा है (आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, 2015)।स्मार्ट सिटी मिशन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य स्थानीय आर्थिक विकास को गति प्रदान करना भी है। बेहतर सड़क नेटवर्क, डिजिटल अवसंरचना, सार्वजनिक परिवहन, पर्यटन सुविधाओं, निवेश-अनुकूल वातावरण तथा ई-गवर्नेंस के माध्यम से व्यापार, सेवा क्षेत्र, उद्यमिता तथा रोजगार के नए अवसर विकसित होते हैं। आधुनिक शहरी अवसंरचना निवेश आकर्षित करती है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था की उत्पादकता एवं प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होती है (ओईसीडी, 2020)। इस प्रकार स्मार्ट सिटी मिशन केवल शहरी सौंदर्यीकरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह आर्थिक विकास एवं सतत शहरी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। मध्यप्रदेश का प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगर उज्जैन भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिंहस्थ महापर्व तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु एवं पर्यटक उज्जैन आते हैं। धार्मिक पर्यटन यहाँ की स्थानीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है, जिससे होटल उद्योग, परिवहन, व्यापार, हस्तशिल्प, लघु उद्यम तथा सेवा क्षेत्र को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभ प्राप्त होता है। स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना, स्मार्ट सड़कें, एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर, सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण, स्मार्ट प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली तथा नागरिक सुविधाओं का व्यापक विकास किया गया है। इन विकास कार्यों ने शहर की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पर्यटन, व्यापार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान की है।प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य उज्जैन स्मार्ट सिटी मिशन के आर्थिक विकास पर प्रभाव का विश्लेषण करना है। विशेष रूप से यह अध्ययन स्थानीय व्यापार, पर्यटन, रोजगार, निवेश, आय सृजन तथा शहरी आर्थिक गतिविधियों में हुए परिवर्तनों का मूल्यांकन करता है। यह शोध इस प्रश्न का उत्तर खोजने का प्रयास करता है कि क्या स्मार्ट सिटी मिशन ने उज्जैन की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में प्रभावी भूमिका निभाई है। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष भविष्य में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के अधिक समावेशी, रोजगारोन्मुख एवं सतत क्रियान्वयन हेतु नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं तथा नगर नियोजकों के लिए उपयोगी आधार प्रदान करेंगे।

साहित्य समीक्षा

स्मार्ट सिटी की अवधारणा बीते दो दशकों में शहरी विकास के क्षेत्र में एक महत्तवपूर्ण विषय के रूप में उभरी है। प्रारम्भिक अध्ययनों में इसे सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) आधारित शहरी प्रबंधन तक सीमित माना गया, किन्तु बाद के अध्ययनों में इसे आर्थिक विकास, सामाजिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता तथा सुशासन के समन्वित मॉडल के रूप में परिभाषित किया गया है। वॉशबर्न एवं अन्य (2010) के अनुसार स्मार्ट सिटी का उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से शहरी सेवाओं को अधिक कुशल, पारदर्शी तथा नागरिक-केंद्रित बनाना है।गिर्फिंगर एवं अन्य (2007) ने स्मार्ट सिटी के छह प्रमुख आयाम स्मार्ट अर्थव्यवस्था, स्मार्ट शासन, स्मार्ट गतिशीलता, स्मार्ट पर्यावरण, स्मार्ट नागरिक तथा स्मार्ट जीवनकृका उल्लेख किया है। उनके अनुसार इन सभी आयामों का संतुलित विकास ही किसी शहर को वास्तविक अर्थों में स्मार्ट बनाता है। इसी प्रकार काराग्लियू, डेल बो एवं निकैम्प (2011) ने स्मार्ट शहरों को मानव पूंजी, सामाजिक पूंजी तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग पर आधारित विकास मॉडल बताया है। उनके अनुसार स्मार्ट सिटी स्थानीय आर्थिक विकास, निवेश आकर्षण, नवाचार तथा रोजगार सृजन को गति प्रदान करती है।भारतीय संदर्भ में स्मार्ट सिटी मिशन पर अनेक अध्ययन किए गए हैं। भारत सरकार द्धारा वर्ष 2015 में प्रारम्भ किए गए स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य चयनित शहरों में आधुनिक आधारभूत संरचना, डिजिटल प्रशासन, नागरिक सेवाओं की गुणवत्ताा तथा स्थानीय आर्थिक विकास को सुदृढ़ करना है (आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, 2015)।आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD, 2020) के अनुसार स्मार्ट शहर स्थानीय उद्यमिता, निवेश तथा उत्पादकता को प्रोत्साहित कर क्षेत्रीय आर्थिक विकास में महत्तवपूर्ण योगदान देते हैं। उज्जैन स्मार्ट सिटी से संबंधित उपलब्ध अध्ययनों से ज्ञात होता है कि महाकाल लोक परियोजना, स्मार्ट सड़कें, एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर, सार्वजनिक स्थलों के पुनर्विकास तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार ने शहर की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किया है। इन विकास कार्यों के परिणामस्वरूप धार्मिक पर्यटन, नई गति प्राप्त हुई है। प्रस्तुत शोध-प्रबंध में भी उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के आर्थिक प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में व्यापार, पर्यटन, आय स्तर, रोजगार, आर्थिक विकास सूचकांक तथा नागरिकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्मार्ट सिटी मिशन ने उज्जैन के आर्थिक विकास में सकारात्मक योगदान दिया है।

अध्ययन के उद्देश्य - प्रस्तुत शोध-पत्र का मुख्य उद्देश्य उज्जैन स्मार्ट सिटी मिशन के आर्थिक विकास पर प्रभावका विश्लेषण करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्यों का निर्धारण किया गया है:

1. उज्जैन स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत संचालित प्रमुख विकास कार्यों का अध्ययन करना।
2. स्मार्ट सिटी मिशन के परिणामस्वरूप स्थानीय आर्थिक विकास पर पड़े प्रभावों का विश्लेषण करना।
3. स्मार्ट सिटी परियोजना का पर्यटन, व्यापार, सेवा क्षेत्र तथा निवेश गतिविधियों पर प्रभाव का मूल्यांकन करना।
4. स्मार्ट सिटी मिशन के कारण रोजगार सृजन एवं स्थानीय नागरिकों की आय में हुए परिवर्तनों का अध्ययन करना।
5. उज्जैन स्मार्ट सिटी मिशन के आर्थिक प्रभावों के आधार पर भविष्य के लिए नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करना।

शोध पद्धति - प्रस्तुत अध्ययन उज्जैन स्मार्ट सिटी मिशन का आर्थिक विकास पर प्रभावविषय पर आधारित है। अध्ययन में स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत किए गए विकास कार्यों के आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। इसके लिए वर्णनात्मक तथा विश्लेषणात्मक शोध अभिकल्प का उपयोग किया गया है। यह शोध प्राथमिक एवं द्धितीयक दोनों प्रकार के आँकड़ों पर आधारित है, जिससे अध्ययन को अधिक वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय बनाया जा सके।

अध्ययन क्षेत्र - अध्ययन क्षेत्र के रूप में मध्यप्रदेश के उज्जैन नगर का चयन किया गया है। उज्जैन भारत के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगरों में से एक है तथा भगवान श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिंहस्थ महापर्व एवं धार्मिक पर्यटन के कारण इसकी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान है। भारत सरकार के स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत उज्जैन को वर्ष 2016 में चयनित किया गया, जिसके पश्चात शहर में आधारभूत अवसंरचना, स्मार्ट परिवहन,

डिजिटल प्रशासन, सार्वजनिक सुविधाओं तथा पर्यटन विकास से संबंधित अनेक परियोजनाएँ संचालित की गईं।

आँकड़ों के स्रोत – अध्ययन मेंप्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के आँकड़ोंका उपयोग किया गया है। प्राथमिक आँकड़ों का संकलन संरचित प्रश्नावली एवं प्रत्यक्ष साक्षात्कार के माध्यम से किया गया। अध्ययन में स्थानीय व्यापारी, होटल व्यवसायी, सेवा क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति, पर्यटक तथा सामान्य नागरिकों को उत्तरदाता के रूप में सम्मिलित किया गया। द्वितीयक आँकड़े स्मार्ट सिटी मिशन के आधिकारिक दस्तावेजों, उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्टों, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के प्रकाशनों, शोध-पत्रों, पुस्तकों तथा शोध-प्रबंधों से संकलित किए गए। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत शोध-प्रबंध में उपलब्ध आँकड़ों एवं विश्लेषण का भी उपयोग किया गया है।

प्रतिदर्श चयन – प्रस्तुत अध्ययन मेंकुल 200 उत्तरदाताओंको प्रतिदर्श (Sample) के रूप में चयनित किया गया। उत्तरदाताओं का चयनस्तरीकृत एवं उद्देश्यपूर्ण नमूना पद्धति (Stratified-cum-Purposive Sampling Method) के आधार पर किया गया। इस पद्धति का चयन इसलिए किया गया क्योंकि अध्ययन का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों से जानकारी प्राप्त करना था, जो स्मार्ट सिटी मिशन के आर्थिक प्रभावों का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष अनुभव रखते हों। प्रतिदर्श चयन के प्रथम चरण में उज्जैन नगर के उन क्षेत्रों का चयन किया गया जहाँ स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत प्रमुख विकास कार्य किए गए हैं। इनमें महाकाल महालोक परिसर, रुद्रसागर क्षेत्र, प्रमुख बाजार एवं व्यापारिक क्षेत्र, पर्यटन स्थल तथा परिवहन सेवाओं से जुड़े क्षेत्रशामिल किए गए। इन क्षेत्रों का चयन इस आधार पर किया गया कि यहाँ स्मार्ट सिटी परियोजना के कारण आर्थिक गतिविधियों, पर्यटन एवं व्यापार में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। द्वितीय चरण में चयनित क्षेत्रों से विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक वर्गों के उत्तरदाताओं को सम्मिलित किया गया, ताकि अध्ययन में सभी प्रमुख हितधारकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। प्रतिदर्श में स्थानीय व्यापारी, होटल एवं रेस्टोरेंट संचालक, परिवहन व्यवसायी (ऑटो, ई-रिक्शा एवं टैक्सी चालक), पर्यटन एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति तथा स्थानीय नागरिकों को शामिल किया गया। इससे परियोजना के आर्थिक प्रभावों का बहुआयामी विश्लेषण संभव हुआ।

पर्यटन एवं स्थानीय व्यापार पर प्रभाव – पर्यटन एवं स्थानीय व्यापार पर प्रभाव के सम्बन्ध में 200 उत्तरदाताओं से प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि 75.0प्रतिशत उत्तरदाताओंका मत है कि स्मार्ट सिटी मिशन एवं महाकाल महालोक परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात पर्यटन गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे स्थानीय छोटे व्यापारों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ। वहीं 15.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने आंशिक लाभ होने की बात कही, जबकि 10.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किसी विशेष लाभ से असहमति व्यक्त की। यह परिणाम स्पष्ट करता है कि स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत विकसित आधारभूत संरचना, बेहतर यातायात व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार तथा धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलने से स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों में सकारात्मक परिवर्तन आया। विशेष रूप से प्रसाद, फूल-माला, धार्मिक सामग्री, होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन तथा हस्तशिल्प से जुड़े व्यवसायों में मांग बढ़ी, जिससे व्यापारियों की आय एवं आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि हुई।

अवलोकन के दौरान महाकाल महालोक, हरसिद्धि मार्ग, रुद्रसागर क्षेत्र एवं मंदिर के आसपास स्थित बाजारों में पर्यटकों की संख्या तथा व्यापारिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था अधिक सक्रिय एवं गतिशील प्रतीत हुई। समूह चर्चा में अधिकांश व्यापारियों, होटल संचालकों एवं स्थानीय नागरिकों ने बताया कि महाकाल महालोक परियोजना के बाद ग्राहकों की संख्या, व्यापारिक आय एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है, यद्यपि कुछ प्रतिभागियों के अनुसार इसका लाभ मुख्यत: प्रमुख बाजारों एवं मंदिर परिसर के आसपास स्थित व्यवसायों को अपेक्षाकृत अधिक प्राप्त हुआ।

रोजगार सृजन पर प्रभाव– रोजगार सृजन पर प्रभाव के सन्दर्भ में प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि 60 प्रतिशत उत्तरदाताओंने पर्यटन आधारित रोजगार वृद्धि के प्रभाव को 'अत्यंत सकारात्मक', 25 प्रतिशत ने 'सकारात्मक', 10 प्रतिशतने 'सामान्य' तथा केवल 5 प्रतिशतने 'नकारात्मक' बताया। इससे स्पष्ट होता है कि स्मार्ट सिटी मिशन एवं महाकाल महालोक परियोजना के परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगार अवसरों में वृद्धि हुई है। विशेष रूप से होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन, पर्यटन सेवाओं, धार्मिक सामग्री, प्रसाद, हस्तशिल्प एवं अन्य सेवा क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर विकसित हुए, जिससे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को गति मिली। अवलोकन के दौरान यह पाया गया कि महाकाल महालोक एवं आसपास के क्षेत्रों में होटल, भोजनालय, ई-रिक्शा, टैक्सी सेवाओं तथा अस्थायी व्यापारिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या पूर्व की तुलना में अधिक दिखाई दी, जिससे रोजगार गतिविधियों में वृद्धि का संकेत मिलता है। समूह चर्चा में होटल संचालकों, ई-रिक्शा चालकों, स्थानीय व्यापारियों एवं युवाओं ने बताया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के बाद पर्यटन में वृद्धि से रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हुए हैं तथा विशेष रूप से युवाओं को सेवा एवं पर्यटन क्षेत्र में रोजगार प्राप्त हुआ है।

रोजगार सृजन पर प्रभाव– रोजगार सृजन पर प्रभावसे प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि 60.0प्रतिशत उत्तरदाताओंने पर्यटन आधारित रोजगार वृद्धि के प्रभाव को 'अत्यंत सकारात्मक', 25.0प्रतिशतने 'सकारात्मक', 10.0प्रतिशतने 'सामान्य' तथा केवल 5 प्रतिशतने 'नकारात्मक' बताया। इससे स्पष्ट होता है कि स्मार्ट सिटी मिशन एवं महाकाल महालोक परियोजना के परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगार अवसरों में वृद्धि हुई है। विशेष रूप से होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन, पर्यटन सेवाओं, धार्मिक सामग्री, प्रसाद, हस्तशिल्प एवं अन्य सेवा क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर विकसित हुए, जिससे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को गति मिली।अवलोकन अध्ययन के दौरान यह पाया गया कि महाकाल महालोक एवं आसपास के क्षेत्रों में होटल, भोजनालय, ई-रिक्शा, टैक्सी सेवाओं तथा अस्थायी व्यापारिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या पूर्व की तुलना में अधिक दिखाई दी, जिससे रोजगार गतिविधियों में वृद्धि का संकेत मिलता है।समूह चर्चा में होटल संचालकों, ई-रिक्शा चालकों, स्थानीय व्यापारियों एवं युवाओं ने बताया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के बाद पर्यटन में वृद्धि से रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हुए हैं तथा विशेष रूप से युवाओं को सेवा एवं पर्यटन क्षेत्र में रोजगार प्राप्त हुआ है।

निवेश एवं नए व्यवसायों पर प्रभाव– निवेश एवं नए व्यवसायों पर प्रभाव से प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि 61.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उज्जैन में नए निवेश की स्थिति को उच्च, 36.0 प्रतिशत ने

मध्यम तथा केवल 3.0 प्रतिशत ने निम्न स्तर का माना। इसी प्रकार 66.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मत था कि स्मार्ट सिटी मिशन के क्रियान्वयन के बाद नए व्यवसायों एवं स्टार्टअप की संख्या में वृद्धि हुई है, जबकि 19.0 प्रतिशत ने इससे असहमति व्यक्त की तथा 15.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस विषय में स्पष्ट जानकारी न होने की बात कही। इन निष्कर्षों से स्पष्ट होता है कि बेहतर आधारभूत अवसंरचना, धार्मिक पर्यटन में वृद्धि, डिजिटल सुविधाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण के कारण स्थानीय उद्यमिता एवं व्यावसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है।अवलोकन के दौरान महाकाल महालोक, हरसिद्धि मार्ग एवं प्रमुख बाजारों के आसपास नए होटल, भोजनालय, कैफे, प्रसाद एवं धार्मिक सामग्री की दुकानें, ट्रैवल एजेंसियाँ तथा ई-रिक्शा सेवाओं में वृद्धि देखी गई, जो स्थानीय निवेश एवं उद्यमिता के विस्तार का संकेत देती है।समूह चर्चा में व्यापारियों, होटल संचालकों एवं स्थानीय उद्यमियों ने बताया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के बाद पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण नए व्यापार प्रारम्भ करने के अवसर बढ़े हैं तथा निजी निवेश में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, यद्यपि कुछ प्रतिभागियों ने छोटे व्यापारियों के लिए वित्तीय सहायता एवं विपणन सुविधाओं को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई।

आय स्तर पर प्रभाव- आय स्तर पर प्रभाव से प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि कि72.0प्रतिशत उत्तरदाताओंने माना कि पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि के कारण उनकी आय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, जबकि 15.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने आंशिक प्रभाव तथा 13.0प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किसी विशेष प्रभाव से असहमति व्यक्त की। यह परिणाम दर्शाता है कि स्मार्ट सिटी मिशन एवं महाकाल महालोक परियोजना के फलस्वरूप धार्मिक पर्यटन में वृद्धि ने स्थानीय व्यापार, होटल, परिवहन, प्रसाद, फूल-माला एवं अन्य सेवा क्षेत्रों से जुड़े लोगों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हालांकि कुछ ऐसे व्यवसाय, जो प्रत्यक्ष रूप से पर्यटन गतिविधियों से जुड़े नहीं थे, उनमें आय वृद्धि का प्रभाव अपेक्षाकृत कम पाया गया।अवलोकन के दौरान यह देखा गया कि महाकाल महालोक एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर ग्राहकों की संख्या में वृद्धि होने से स्थानीय व्यापारियों, होटल संचालकों तथा परिवहन सेवाओं से जुड़े व्यक्तियों की आय में सकारात्मक परिवर्तन परिलक्षित हुआ।समूह चर्चा में अधिकांश व्यापारियों, होटल संचालकों, ई-रिक्शा चालकों एवं स्थानीय नागरिकों ने बताया कि महाकाल महालोक परियोजना के बाद पर्यटकों की संख्या बढ़ने से उनकी दैनिक एवं मासिक आय में वृद्धि हुई है, जबकि कुछ प्रतिभागियों ने यह भी बताया कि यह लाभ मुख्यत: पर्यटन एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े व्यवसायों तक अधिक सीमित रहा।

निवेश एवं नए व्यवसायों पर प्रभाव- निवेश एवं नए व्यवसायों पर प्रभाव विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि 61.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उज्जैन में नए निवेश की स्थिति कोउच्च, 36.0 प्रतिशत ने मध्यम तथा केवल 3.0 प्रतिशत ने निम्न स्तर का माना। इसी प्रकार 66.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मत था कि स्मार्ट सिटी मिशन के क्रियान्वयन के बाद नए व्यवसायों एवं स्टार्टअप की संख्या में वृद्धि हुई है, जबकि 19.0 प्रतिशतने इससे असहमति व्यक्त की तथा 15.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस विषय में स्पष्ट जानकारी न होने की बात कही। इन निष्कर्षों से स्पष्ट होता है कि बेहतर आधारभूत अवसंरचना, धार्मिक पर्यटन में वृद्धि, डिजिटल सुविधाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण के कारण स्थानीय उद्यमिता एवं व्यावसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है।अवलोकन के दौरान महाकाल महालोक, हरसिद्धि मार्ग एवं प्रमुख बाजारों के आसपास नए होटल, भोजनालय, कैफे, प्रसाद एवं धार्मिक सामग्री की दुकानें, ट्रैवल एजेंसियाँ तथा ई-रिक्शा सेवाओं में वृद्धि देखी गई, जो स्थानीय निवेश एवं उद्यमिता के विस्तार का संकेत देती है।समूह चर्चा में व्यापारियों, होटल संचालकों एवं स्थानीय उद्यमियों ने बताया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के बाद पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण नए व्यापार प्रारम्भ करने के अवसर बढ़े हैं तथा निजी निवेश में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, यद्यपि कुछ प्रतिभागियों ने छोटे व्यापारियों के लिए वित्तीय सहायता एवं विपणन सुविधाओं को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई।

निष्कर्ष - स्मार्ट सिटी मिशन ने उज्जैन की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर समग्र रूप से सकारात्मक प्रभाव डाला है। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि परियोजना के परिणामस्वरूप धार्मिक पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे स्थानीय व्यापार, होटल उद्योग, परिवहन, सेवा क्षेत्र तथा लघु उद्यमों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ। अधिकांश उत्तरदाताओं ने माना कि पर्यटन में वृद्धि के कारण व्यापारिक गतिविधियाँ, आय के अवसर तथा रोजगार सृजन में वृद्धि हुई है।अध्ययन में यह भी पाया गया कि स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत विकसित आधारभूत अवसंरचना, बेहतर सड़क नेटवर्क, डिजिटल सेवाएँ, सार्वजनिक सुविधाएँ तथा महाकाल महालोक परियोजना ने उज्जैन को एक अधिक आकर्षक धार्मिक एवं पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया है। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय निवेश में वृद्धि हुई तथा नए व्यवसायों एवं उद्यमिता को प्रोत्साहन मिला। आर्थिक विकास सूचकांक का मान 80.17 प्राप्त होना इस तथ्य की पुष्टि करता है कि अध्ययन क्षेत्र में आर्थिक विकास का स्तर उच्च श्रेणी का है।

यद्यपि अध्ययन में स्मार्ट सिटी मिशन के अधिकांश प्रभाव सकारात्मक पाए गए, तथापि यह भी स्पष्ट हुआ कि परियोजना के लाभ सभी सामाजिक एवं आर्थिक वर्गों में समान रूप से वितरित नहीं हुए। मंदिर परिसर एवं प्रमुख पर्यटन मार्गों से जुड़े व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं को अपेक्षाकृत अधिक लाभ प्राप्त हुआ, जबकि आंतरिक क्षेत्रों के कुछ व्यवसायों पर इसका प्रभाव सीमित रहा। इसलिए भविष्य में स्मार्ट सिटी योजनाओं के अंतर्गत समावेशी आर्थिक विकास, स्थानीय उद्यमिता, कौशल विकास, सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के संवर्धन तथा स्थानीय समुदाय की सहभागिता पर विशेष बल दिया जाना आवश्यक है।

अत: निष्कर्षत: कहा जा सकता है किउज्जैन स्मार्ट सिटी मिशन ने धार्मिक पर्यटन को आर्थिक विकास के प्रभावी माध्यम में परिवर्तित करते हुए स्थानीय व्यापार, रोजगार, आय एवं निवेश को सुदृढ़ किया है।यदि भविष्य में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का क्रियान्वयन स्थानीय आवश्यकताओं, सांस्कृतिक विरासत तथा सतत विकास के सिद्धांतों के अनुरूप किया जाए, तो यह मॉडल अन्य धार्मिक एवं पर्यटन-प्रधान शहरों के लिए भी आर्थिक विकास का एक प्रभावी एवं अनुकरणीय मॉडल सिद्ध हो सकता है।

सुझाव :

1. **पर्यटन का विकेंद्रीकरण -** महाकाल महालोक एवं मंदिर परिसर के अतिरिक्त कालभैरव, सांदीपनि आश्रम, मंगलनाथ, चिंतामण गणेश तथा अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का समग्र विकास किया जाए, ताकि पर्यटकों का प्रवाह पूरे शहर में समान रूप से वितरित हो

तथा स्थानीय व्यापारियों को व्यापक आर्थिक लाभ प्राप्त हो।

2. **स्थानीय लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों को प्रोत्साहन –** स्थानीय व्यापारियों, हस्तशिल्पियों एवं स्वरोजगार से जुड़े लोगों को आसान ऋण, विपणन सहायता तथा डिजिटल भुगतान की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।
3. **युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएँ–** पर्यटन, होटल प्रबंधन, गाइड सेवा, डिजिटल मार्केटिंग तथा आतिथ्य क्षेत्र में नियमित प्रशिक्षण देकर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएँ।
4. **स्थानीय नागरिकों की सहभागिता बढ़ाई जाए–** स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की योजना एवं क्रियान्वयन में व्यापारिक संगठनों, नागरिक समूहों एवं सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे योजनाएँ स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हों।
5. **डिजिटल पर्यटन सेवाओं का विस्तार किया जाए–** पर्यटकों के लिए मोबाइल एप, बहुभाषीय सूचना प्रणाली, स्मार्ट पार्किंग, ऑनलाइन टिकटिंग तथा डिजिटल गाइड जैसी सुविधाओं का विकास किया जाए, जिससे पर्यटन अनुभव अधिक सुविधाजनक एवं प्रभावी बन सके।
6. महिला एवं युवा उद्यमिता को विशेष प्रोत्साहन दिया जाए।
7. स्थानीय उत्पादों एवं हस्तशिल्प के विपणन हेतु स्थायी बाजार विकसित किए जाएँ, जिससे धार्मिक पर्यटन का लाभ स्थानीय कारीगरों एवं छोटे उद्यमियों तक पहुँच सके।
8. स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के आर्थिक एवं सामाजिक प्रभावों का नियमित मूल्यांकन किया जाए, ताकि योजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन कर आवश्यक सुधार समय पर किए जा सकें।
9. हरित एवं सतत शहरी विकास को प्राथमिकता दी जाए।स्वच्छता, हरित क्षेत्र, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण तथा पर्यावरण–अनुकूल परिवहन को स्मार्ट सिटी विकास का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय. (2015). स्मार्ट सिटी मिशन: मिशन वक्तव्य एवं दिशा–निर्देश. भारत सरकार।
2. काराग्लियू, ए., डेल बो, सी., एवं निकैम्प, पी. (2011). स्मार्ट सिटीज इन यूरोप.जर्नल ऑफ अर्बन टेक्नोलॉजी, 18(2), 65–82.
3. गिर्फिंगर, आर., फर्टनर, सी., क्रामर, एच., कालासेक, आर., पिचलर–मिलानोविच, एन., एवं मीजर्स, ई. (2007). स्मार्ट सिटीज: रैंकिंग ऑफ यूरोपियन मीडियम–साइज्ड सिटीज. वियना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय।
4. आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD). (2020). स्मार्ट सिटीज एंड इन्क्लूसिव ग्रोथ: बिल्डिंग सस्टेनेबिलिटी. OECD पब्लिशिंग।
5. संयुक्त राष्ट्र. (2018). विश्व शहरीकरण संभावनाएँ: 2018 संशोधित संस्करण. संयुक्त राष्ट्र।
6. वॉशबर्न, डी., सिंधु, यू., बालौरास, एस., डाइन्स, आर., हेज, एन., एवं नेल्सन, एल. ई. (2010). स्मार्ट सिटी पहलों को समझना. फॉरेस्टर रिसर्च।

****